

रा. ह. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
काशीपुर, उत्तराखण्ड

गौरैया संरक्षण

घोंसला निर्माण प्रतियोगिता

(दिनांक - 22.05.2022)

डॉ प्रमोद जोशी, कार्यक्रम अधिकारी
डॉ हेमलता खाती, कार्यक्रम अधिकारी

डॉ स्नेह लता
वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी

राष्ट्रीय सेवा योजना
रा.स. रा. स्ना. महाविद्यालय काशीपुर

गौरैया संरक्षण

एक प्रयास...

राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय काशीपुर, उत्तराखण्ड

राष्ट्रीय सेवा योजना

गौरैया संरक्षण
Information No: 22-04-2022



रा. ह.राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, काशीपुर



गौरैया संरक्षण एक प्रयास-- घोंसला निर्माण प्रतियोगिता



स्वयं सेवियों द्वारा निर्मित घोंसले-22.5.2022







गौरैया संरक्षण



NSS



RHGPGC, Kashipur

पुरस्कृत घोंसले





राष्ट्रीय सेवा योजना
रा.ह. रा. स्ना, महाविद्यालय काशीपुर

राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय काशीपुर, उत्तराखण्ड
राष्ट्रीय सेवा योजना
गौरव्या संरक्षण
संस्थापक वर्ष 22-04-2022







A man wearing a pink long-sleeved shirt, blue jeans, and glasses stands on the left side of the group.

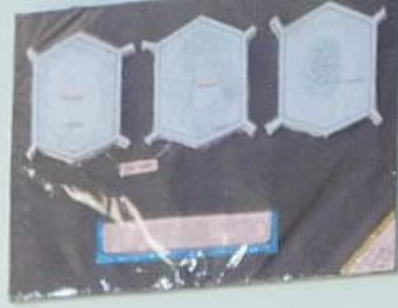
A woman wearing a blue kurta with a floral pattern, a black scarf with white polka dots, and pink pants stands next to the man, holding a small round cake decorated with colorful flowers.

A woman wearing a light blue t-shirt with the word 'Great' written on it, white pants, and blue sneakers stands in the center of the group.

A woman wearing a yellow kurta with a floral design, a red shawl, and pink pants stands on the right side of the group, holding a rectangular cake with 'MOHNI ROHIT' written on it.

BPT

A.R.C.P.C.K. 88-82. Nat. Dept.







NITROGEN CYCLE

On the basis of the following information, identify the following:
 1. Primary productivity
 2. Secondary productivity
 3. Gross primary productivity
 4. Net primary productivity

LL DIVISION



I.Q.A.C.

Dr. AHMAD PERVEZ
COORDINATOR IQAC CELL
-UGC
-RUSA
RESEARCH CELL

No. 8





अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस - 2022

" गौरैया संरक्षण "

महानिधालय ने गौरैया संरक्षण हेतु विभिन्न स्थानों पर घोसलों लगाने के लिए रा. ट. रा. स्ना. म. वि., काशीपुर के NSS के तत्वावधान में घोसला निर्माण प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। जिसमें 07 स्वयंसेवियों ने तीन-तीन सदस्यों की टीम बनाकर प्रतिभाग किया। घोसलों का मूल्यांकन डा. मृत्युमं गान्ध, जन्तुविभाग विभागाध्यक्ष, डा. रीता सनान पर्यावरण प्रभारी, डा. के. एन. एम. यादव, मृतपूर्व NISD परिषद कार्यक्रम अधिकारी एवं डा. महिपाल सिंह, जैविक विज्ञान विभागाध्यक्ष द्वारा किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के पूरे सत्र पर जब दि. 21.5.22 को प्रथम क्रम पर डा. राज. दात्राजी को जैव विविधता एवं गौरैया को रक्षित एवं संरक्षण के बारे में जागरूक किया गया, साथ ही सर्वश्रेष्ठ 05 घोसलों को पुरस्कार किया गया। कहेकूरा टीम प्रथम, सुखवीर की टीम द्वितीय एवं सानिया की टीम तृतीय स्थान पर रही। गौरैया शर्मा एवं राजेश्वर कौर की टीम को सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। गौरैया संरक्षण हेतु सभी घोसलों को महानिधालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर रखा गया।

- 1- डॉ. मंगला बेल्वाल - marks
- 2- रीता सनान - marks
- 3- आदरतम कुमार शर्मा - marks



- 4- डॉ. प्रमोद जोशी - marks
- 5- डॉ. हेमलता खति - marks
- 6- डॉ. किशोर् चन्दा जोशी - marks
- 7- डॉ. Rakesh Kumar Singh - marks
- 8- Dr. Sneha Lata - marks

श्रेष्ठ कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
महो. स्टा. महो. काशीपुर
(जन्म सिंह नगर) उत्तराखण्ड

Signature

प्राचार्य
राधेश्वर राज. स्टा. महानिधालय
काशीपुर (उजसिं नगर) उत्तराखण्ड

कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर गौरैया संरक्षण के लिए घोंसला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन

कहकशा की टीम ने बनाया सबसे सुंदर घोंसला

अमृत विचार, काशीपुर

राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर गौरैया संरक्षण के लिए घोंसला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

शनिवार को महाविद्यालय में एनएसएस प्रभारी डॉ. स्नेह लता एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रमोद जोशी, डॉ. हेमलता खाती के निर्देशन में घोंसला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 87 स्वयंसेवियों ने तीन-तीन सदस्यों की 29 टीम बनाकर प्रतिभाग किया। बेहतर प्रदर्शन कर कहकशा की टीम प्रथम, सुखप्रीत कौर सागर की टीम द्वितीय एवं सानिया की टीम



काशीपुर महाविद्यालय में विजेताओं को सम्मानित करते प्राचार्य । ● अमृत विचार

तृतीय स्थान पर रही। गरिमा शर्मा एवं रूपेंद्र कौर की टीम को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। घोंसलों का मूल्यांकन डॉ. मृत्युंजय सिन्हा, डॉ. रीता सचान, डॉ. महिपाल सिंह, डॉ. केएनएस यादव ने किया। प्राचार्य

डॉ. चंद्र राम ने छात्र-छात्राओं को गौरैया और जैव विविधता के खतरे एवं संरक्षण के बारे में जानकारी देकर विजेताओं को पुरस्कृत किया। एनएसएस प्रभारी डॉ. स्नेहलता ने बताया कि गौरैया संरक्षण के लिए

घोंसलों को महाविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर रखा गया। वहां पर डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. केसी जोशी, डॉ. ए अहमद, डॉ. ममता बेलवाल, डॉ. एके मौर्य आदि उपस्थित रहे।



गौरैया संरक्षण के लिए पेड़ पर घोंसला लगाते एनएसएस प्रभारी व अन्य। संवाद

गौरैया संरक्षण के लिए छात्र-छात्राओं ने बनाए घोंसले

काशीपुर। राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गौरैया संरक्षण के लिए घोंसला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शनिवार को महाविद्यालय के एनएसएस प्रभारी डॉ. स्नेह लता व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रमोद जोशी, डॉ. हेमलता खाती के निर्देशन में हुई प्रतियोगिता में 87 स्वयंसेवियों ने तीन-तीन सदस्यों की 29 टीम बनाकर प्रतिभाग किया। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की पूर्व संध्या पर प्राचार्य डॉ. चंद्र राम ने छात्र-छात्राओं को गौरैया तथा जैव विविधता के खतरे और संरक्षण के बारे में जागरूक किया। घोंसलों का मूल्यांकन डॉ. मृत्युंजय सिन्हा, डॉ. रीता सचान, डॉ. के.एनएस षडव व डॉ. महिपाल सिंह ने किया। पांच सर्वश्रेष्ठ घोंसलों को पुरस्कृत किया। कहकशा की टीम को पहला, सुखप्रीत कौर की टीम को दूसरा और सनिया की टीम को तीसरा स्थान मिला। गरिमा शर्मा व रूपेंद्र कौर की टीम को सात्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। एनएसएस प्रभारी डॉ. स्नेह लता ने बताया कि गौरैया संरक्षण के लिए सभी घोंसलों को महाविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर रखा गया है। वहां डॉ. नीरज शुक्ला, डॉ. केसी जोशी, डॉ. ए. अहमद, डॉ. ममता बेलवाल, डॉ. एके मौर्य आदि मौजूद रहे। संवाद

